2019

HINDI — HONOURS

Paper : CC–3

Full Marks : 65

The figures in the margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. निम्नलिखित सभी वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×10

(क) विद्यापति की प्रमुख दो रचनाओं के नाम लिखिए।

(ख) कबीर के गुरु का नाम लिखते हुए उनकी वाणी के संग्रह का नाम लिखिए।

(ग) "आखिरी कलाम" के रचनाकार का नाम लिखिए तथा वे किस काव्यधारा के कवि हैं?

(घ) सूरदास का जन्म-स्थान बताते हुए उनकी किसी एक रचना का नाम लिखिए।

(ङ) विनयपत्रिका किसकी रचना है और उसकी भाषा क्या है?

(च) रसखान का वास्तविक नाम लिखते हुए उनके किसी एक ग्रंथ का नाम लिखिए।

(छ) मीरा की किन्हीं दो प्रमुख रचनाओं के नाम लिखिए।

(ज) बिहारी किस काल के कवि हैं? बिहारी-सतसई किस छन्द में रचित है?

(झ) घनानन्द किस काव्य-धारा के कवि हैं? उनकी किसी एक प्रमुख रचना का नाम लिखिए।

(ञ) रहीम का कोई एक दोहा लिखिए।

2. निम्नलिखित अवतरणों में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10×1

(क) सखि रे हमर दुखक नहि ओर।
ई भर आदर माह भादर, सून मंदिर मोर।।
झांपि घन गरजंति संतत, भुवन भरि बरसतिया।
कंत पाहुन काम दारून, सघन खर सर हंतिया।।
कुलिस कत सत पात मुदित, मयूर नाचत मातिया।
मत्त दादुर डाक डाहुक, फाटि जाएत छातिया।।
तिमिर दिग भरि घोरि यामिनि, अथिर बिजरिक पाँतिया।
विद्यापति कह कइसे गमाओब, हरि बिना दिन-रातिया।।

(ख) पानी बिच मीन पियासी।
मोहि सुनि सुनि आवत हाँसी।।
आतम ज्ञान बिना सब सूना, क्या मथुरा क्या कासी।
घर में वस्तु धरि नहिं सूझै, बाहर खोजन जासी।
मृग की नाभि माहिं कस्तूरी, बन-बन फिरत उदासी।
कहत कबीर सुनों भाई साधो, सहज मिले अविनासी।।

(ग) मानुस हौं तो वही रसखानि बसौं ब्रज गोकुल गाँव के ग्वारन
जौ पसु हौं तो कहा बस मेरो चरौं नित नंद की धेनु मँझारन।।
पाहन हौं तो वही गिरि को जो धर्‌यो पर छत्र पुरंदर धारन।
जौ खग हौं तो बसेरो करौं मिलि कालिंदी कूल कदंब की डारन।।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** आलोचनात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 10×2

(क) तुलसीदास की भक्ति-भावना पर प्रकाश डालिए।

(ख) कबीर की सामाजिक चेतना पर प्रकाश डालिए।

(ग) बिहारी के काव्य-सौंदर्य पर प्रकाश डालिए।

(घ) "घनानंद के काव्य में भाव की जैसी गहराई है वैसी ही कला की बारीकी भी"— इस कथन की विवेचना कीजिए।

4. किन्ही **तीन** प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए। 5×3

(क) विद्यापति के काव्य में श्रृंगार।

(ख) "अबिगत गति कछु कहत न आवै
ज्यौं गूँगै मीठे फल को रस अंतरगत्हीं भावै।।" — पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।

(ग) मीरा की विरह-वेदना।

(घ) रहीम की भाषा।

(ङ) रसखान के कृष्ण।